



# Vaishnavi

30 Jul 1999

11:50 AM

Solan

Model: Lal-Kitab-Report

Order No: 120889601

## लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।  
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाए खुदाई नहीं।

Model: Lal-Kitab-Report

Order No: 120889601

Date: 10/01/2026

लिंग _____:	स्त्रीलिंग	दादा का नाम _____:	
जन्म तिथि _____:	30/07/1999	पिता का नाम _____:	
दिन _____:	शुक्रवार	माता का नाम _____:	
जन्म समय _____:	11:50:00 घंटे	जाति _____:	
इष्ट _____:	15:31:47 घटी	गोत्र _____:	
स्थान _____:	Solan	चैत्रादि संवत / शक _____:	2056 / 1921
राज्य _____:	Himachal Pradesh	मास _____:	श्रावण
देश _____:	India	पक्ष _____:	कृष्ण
अक्षांश _____:	30:54:00 उत्तर	सूर्योदय कालीन तिथि _____:	2
रेखांश _____:	77:06:00 पूर्व	तिथि समाप्ति काल _____:	17:36:47
मध्य रेखांश _____:	82:30:00 पूर्व	जन्म तिथि _____:	2
स्थानिक संस्कार _____:	-00:21:36 घंटे	सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____:	धनिष्ठा
ग्रीष्म संस्कार _____:	00:00:00 घंटे	नक्षत्र समाप्ति काल _____:	16:54:09 घंटे
स्थानिक समय _____:	11:28:24 घंटे	जन्म नक्षत्र _____:	धनिष्ठा
वेलान्तर _____:	-00:06:26 घंटे	सूर्योदय कालीन योग _____:	सौभाग्य
साम्पातिक काल _____:	07:58:13 घंटे	योग समाप्ति काल _____:	23:09:10 घंटे
सूर्योदय _____:	05:37:17 घंटे	जन्म योग _____:	सौभाग्य
सूर्यास्त _____:	19:18:17 घंटे	सूर्योदय कालीन करण _____:	गर
दिनमान _____:	13:41:01 घंटे	करण समाप्ति काल _____:	17:36:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____:	दक्षिणायन	जन्म करण _____:	गर
सूर्य स्थिति(गोल) _____:	उत्तर	भयात _____:	49:24:28
ऋतु _____:	वर्षा	भभोग _____:	62:04:49
सूर्य के अंश _____:	12:49:18 कर्क	भोग्य दशा काल _____:	मंगल 1 वर्ष 5 मा 8 f
लग्न के अंश _____:	01:36:15 तुला		

शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

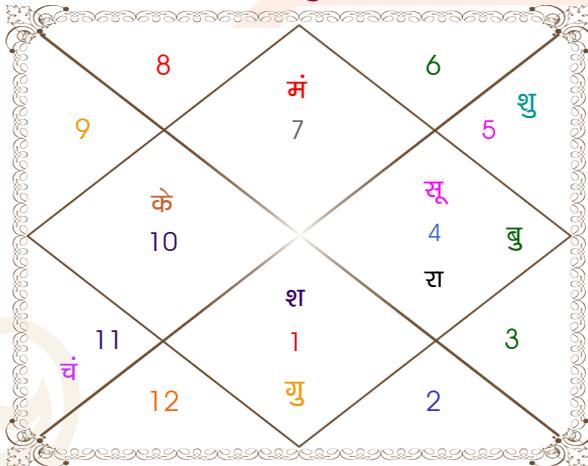
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	तुला	01:36:15	---	--	--	--	नेक
सूर्य	कर्क	12:49:18	मित्र राशि	हाँ	--	--	मन्दा
चन्द्र	कुम्भ	03:55:31	सम राशि	--	हाँ	--	नेक
मंगल	तुला	16:38:53	सम राशि	--	--	--	नेक
बुध	व कर्क	06:58:47	शत्रु राशि	हाँ	--	--	नेक
गुरु	मेष	10:03:37	मित्र राशि	--	--	--	मन्दा
शुक्र	व सिंह	11:16:52	शत्रु राशि	--	--	--	नेक
शनि	मेष	22:30:34	नीच राशि	--	--	हाँ	नेक
राहु	कर्क	19:04:51	शत्रु राशि	हाँ	--	--	मन्दा
केतु	मकर	19:04:51	शत्रु राशि	--	--	हाँ	मन्दा

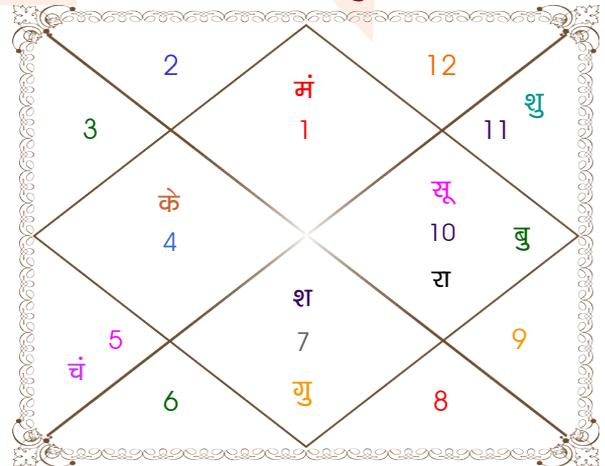
### भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	--	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	हाँ	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	हाँ	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	--	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	--	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	हाँ	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	हाँ	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	हाँ	शुक्र,केतु	बुध,राहु

### लग्न कुंडली



### लालकिताब कुंडली



### शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्काॅलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

## लाल किताब ग्रह फल

### सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में सूर्य दसवें खाने में बैठा है। इसकी वजह से आप किसी संस्था की प्रधान, जज, सरपंच, नेता भी हो सकती हैं। आप किसी से धोखा-फरेब नहीं करेंगी। सरकारी विभाग, नौकरी-व्यापार में धन-लाभ, मान-सम्मान मिलेगा। नौकर-चाकरों का अच्छा सुख मिलेगा। राज्य पक्ष से लाभान्वित होंगी। आप बहुत वहम करेंगी। सत्ता से परेशानियां भी रहेंगी। संतान पक्ष कमजोर रहेगा। 19 वर्ष की उम्र के लगभग पिता/ससुर से दूर हो सकती हैं। आपको इज्जत, सेहत और दौलत का सुख मिलेगा। परिवार में कोई व्यक्ति उच्च पद पर संस्था प्रधान या सरकार द्वारा सम्मानित होगा।

यदि आपके मकान का मुख्य दरवाजा पश्चिम दिशा में हुआ, नंगा सिर रखने की आदत रही, अपना भेद दूसरों को बताया तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से 34 वर्ष की आयु तक समय कष्टमय रहेगा। आप मशीनरी या लकड़ी से संबंधित नौकरी-व्यापार करेंगी तो हानि होगी। खानदानी विरासत और पिता का सुख कम मिलेगा। लकड़ी, लोहा, भैंसों से संबंधित व्यापार या काली चीजों के व्यापार से नुकसान होगा। आपके घुटने में दर्द हो सकता है। आपकी आंखों की नज़र और उम्र पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। ससुराल में रहना, ससुराल पक्ष वालों के साथ कोयले, बिजली का धंधा करने से हानि होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. अपना भेद किसी को भी न दें।
2. सूर्य की रोशनी नंगे सिर पर न पड़े।

उपाय :

1. सिर पर सफेद या शरबती स्कार्फ/चुनरी रखें।
2. बुजुर्गी मकान में हैंड पंप लगावें।

### चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली के पांचवें खाने में चंद्रमा है। इसकी वजह से हीरे-जवाहरात से संबंधित नौकरी-व्यापार लाभ देगा। कन्या सन्तान अधिक होने का योग है। आपको सुख के सभी साधन मिलेंगे। वन विभाग की अधिकारी हो सकती हैं। आप 9 वर्ष जीवन में यात्रा करेंगी। विदेश यात्रा से लाभ संभावित है। आपकी संतान की उम्दा परवरिश होगी। धार्मिक विचार रखने से आपके धन-दौलत की बरकत होगी। आप किसी के भी सामने नहीं झुकेंगी। आप दूसरों का इन्साफ करने में आगे रहेंगी। आप रहम दिल महिला होंगी और किसी से बेइंसाफी नहीं करेंगी। लड़ाई-झगड़े में आप जिसका भी साथ देंगी वह जरूर जीतेगा। सरकारी

शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

काम शुभ फल देने वाला होगा। आप सामाजिक कार्य करें तो आपकी औलाद के लिए अच्छा होगा। यात्रा का फल शुभ होगा। आपकी कभी भी बर्बादी नहीं होगी। आपको अपने जीवन की सभी मशहूर बातें हमेशा याद रखनी चाहिए।

यदि आपने धर्म विरोधी कार्य किये, गुप्त पाप किया, चकोर पक्षी का शिकार किया, अपना भेद किसी को बताया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से आपकी विद्या में विघ्न, संतान द्वारा विरोध होगा। आपका अपना भेदी तबाह कर सकता है। लालच और खुदगर्जी से नुकसान होगा। आपकी आदत हरेक को गुमराह करने वाली होगी। आपको नौकरी-व्यापार से अच्छा लाभ नहीं हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. आप अपनी मर्जी से कोई कार्य न करें, किसी की सलाह जरूर लें।
2. किसी भी पाप कार्य में दखल न दें।

उपाय :

1. धार्मिक कार्य में बढ़-चढ़ कर भाग लें।
2. कभी-कभी पहाड़ की यात्रा करें।

### मंगल

आपकी जन्मकुंडली में पहले खाने में मंगल पड़ा है। इसकी वजह से आप अंदर-बाहर एक जैसी, संतान सुख से युक्त, और प्रसन्न रहेंगी। आप विद्वान, शूरवीर, एवं साहसी होंगी। आप बुरे के साथ भी नेकी करेंगी। आप नेकी छोड़ने से कलंकिनी बन जाएंगी। आप परिवार के भाग्य को जगाने वाली हैं। आप साधू-सन्यासी की सेवा करेंगी। 18 वर्ष के बाद सरकारी सेवा में या सलाहकार के कामों में रुचि लेंगी। शत्रु से आप बचती रहेंगी। आप अगर नौकरी करती हैं तो 35-40 वर्ष की आयु तक ही नौकरी-व्यापार करेंगी। राज्य सरकार से लाभ मिलेगा। आप पलट कर आक्रमण करने वाली हैं। आपको छोटे बहन-भाई का सुख मिलेगा। आप 28 साल के बाद जीवन में उन्नति करेंगी। आप किसी की सच्चाई या नेकी को सदा याद रखेंगी। आपके उच्च पदाधिकारियों से अच्छे संबंध रहेंगे। लोहा, लकड़ी तथा मकान के कामों में लाभ पाएंगी। परिवार के लोगों के साथ मिल कर काम करें तो बहुत अच्छा रहेगा। आपके मुंह से निकली बुरी बात का दूसरों पर बुरा असर होगा। आपका आर्शीवाद लोगों को फलेगा।

यदि आपने मुफ्त माल या दान लिया, जूठन खाया और झूठ बोला, माता/सास को कष्ट दिया या माता/सास का विरोध किया, अपशब्द बोलने की आदत हो तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से शारीरिक कष्ट की आशंका है। मुफ्त की चीजें नहीं फलेंगी। आलस्य से कई बार आप अपने बने-बनाये काम बिगाड़ सकती हैं। मानसिक रोग या तनाव हो सकता है। दुर्घटना का भय है, अतः वाहन

### शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

चलाते समय सावधानी बरतें। आपकी माता/सास को आप्रेशन का भय है। भाई को परेशानी या आपको बहन के सुख का अभाव रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. मुफ्त का माल या दान न लेवें।
2. हाथी दांत घर में न रखें।

उपाय :

1. बड़ी बहन जीवित हो तो लाल रुमाल रखें।
2. भाई और पति के भाई की सेवा करें।

### बुध

आपकी जन्मकुंडली में बुध दसवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप अपने विभाग में अधिकारी की प्रिय रहेंगी। आप व्यवहार कुशल, जीवन निर्वाह ठीक से करने वाली होंगी आप खुशामदी और नीतिशास्त्र में निपुण होंगी। आप लेखिका-संपादिका, अनेक विद्याओं की जानने वाली हो सकती हैं। ठेकेदारी के काम से धन कमाने वाली होंगी। आप पूरा धन कमाने वाली हैं। आप अव्वल दर्जे की खुशामदी होंगी। आप अपनी चिकनी चुपड़ी बातों से स्वार्थ साधना करेंगी। आप समुद्री यात्रा या विदेश की यात्रा अवश्य करेंगी। आप शरारती और मतलब परस्त होंगी। परंतु दूसरों के हां में हां मिलाने या खुशामद करने में माहिर होंगी। आप मीठी-मीठी बातें करके सबको मोहित कर लिया करेंगी। व्यापार करने से घर के लोगों की भी बरकत होगी। आप हुनरमंद और बेशर्म स्वभाव की है। 50 वर्ष की उम्र के बाद आपका जीवन अच्छा बीतेगा और आर्थिक स्थिति में सुधार हो जाएगा।

यदि आपने मादक चीजों का प्रयोग किया, हरे रंग की बोतल में विदेशी शराब या परफ्यूम आपने घर में रखा, मछली का शिकार किया तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से शराब-पीना और मांस खाना आपके लिए नुकसानदेह है। आपको अपनी नजर में दोष उत्पन्न हो सकता है। आप दूसरों के लिए बेवकूफ दोस्त के समान होंगी। आपकी दूसरों के साथ चालबाजी की आदत रहेगी। 48 वर्ष की आयु तक पिता/ससुर के सुख में अभाव हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चौड़े पत्तों का वृक्ष या तुलसी-मनीप्लांट न लगावें।
2. शराब-मछली का सेवन न करें।
3. मछली का शिकार न करें या मछली न पकड़ें।

### शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

उपाय :

1. मजदूर पेशा व्यक्ति की सेवा करें।
2. मछलियों को भोजन का हिस्सा खिलायें।

### गुरु

आपकी जन्मकुंडली में वृहस्पति सातवें खाने में पड़ा है। जिसकी वजह से अधिक उम्र में या विवाह के बाद देर से संतान सुख प्राप्त होगा। पुत्र प्राप्ति के बाद पिछले कष्ट दूर हो जाएंगे। आप पूर्ण सुखी हो जाएंगी। पति नौकरी-व्यापार करेंगे उनकी कमाई से धन में वृद्धि होती रहेगी। आप स्वस्थ एवं पति से सुखी रहेंगी। आप पिता/ससुर से अलग होकर, साझेदारी का व्यवसाय चलाएंगी। संतान का भी सामान्य सुख ही मिलेगा। आप 40 वर्ष की उम्र तक अय्याशी करेंगी। ससुराल से मिली चीजों में बरकत होगी। आप धार्मिक कामों में हमेशा रुचि रखेंगी। आप ज्योतिष विद्या की जानकार और माहिर होंगी और ज्योतिष के द्वारा धन की प्राप्ति भी होगी। आपको दलाली या व्यापार के कामों से लाभ होगा। आपके धन से दूर के रिश्तेदार लोग सुख पायेंगे परंतु आपके जीवन में आराम नहीं मिलेगा। आपको लोहे, मशीनरी, काली चीजों का व्यापार, मकान बनाने की चीजें (लोहा, ईट, पत्थर सीमेंट, लकड़ी आदि) का व्यापार शुभ फल देगा। आप अपने जीवन में जवानी में खूब ऐशो-आराम करेंगी। पिता और ससुर से लाभ और सुख मिलेगा।

यदि आपके घर के मंदिर में मूर्तियां होंगी (तस्वीरों का वहम नहीं), चांदी आदि धातु की मूर्तियों वाले सिक्के होंगे या धार्मिक ग्रंथ बंद पड़े होंगे, रत्तियां (जिससे पहले समय में सुनार सोना आदि तोलते थे) पड़ी होंगी तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से आप भाई से दुःखी रहेंगी। घूमने-फिरने वाले साधू की संगति से भाग्य मंदा हो जाएगा। आपको अच्छी आमदनी के बावजूद आप पर कर्ज का बोझ भी पड़ेगा। आपके जीवन में काफी उतार-चढ़ाव आयेंगे। पति के अतिरिक्त दूसरे पुरुष से हानि होगी। पिता/ससुर का सुख कम मिलेगा। आप संगति के प्रभाव से चोर या डाकू भी हो सकती हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट हैं तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. घूमने-फिरने वाले पीले वस्त्र धारी साधू से दूर रहें।
2. घर में तुलसी, घंटी, ठाकुर न रखें।

उपाय :

1. सोना और रत्तियां पीले कपड़े में बांध कर रखें।
2. आपके माता-पिता आपको कुछ न कुछ देते रहेंगे तो इससे दोनों परिवारों का कल्याण होगा।

### शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्काॅलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

## शुक्र

आपकी जन्मकुंडली के ग्यारहवें खाने में शुक्र पड़ा है। इसकी वजह से आपको कन्या संतान अधिक होगी। आपके पति दिखने में भोले-भाले परंतु काम धंधे में स्वभाव से अच्छे होंगे। शादी के बाद खूब आमदनी होगी। आपको कन्या सुख अधिक होगा। विलंब से पुत्र की प्राप्ति हो, ऐसी आशंका है। आपके ससुराल पक्ष के लोग सहायक होंगे और उनसे आपको लाभ होगा। आप में और आपके पति में सामान्य कामवासना रहेगी। आप पैसे के पीछे भागती रहेंगी। आप भोले स्वभाव की महिला होंगी। आपमें अच्छे गुण भी रहेंगे आप गुप्त कार्य करने की आदी हो जाएंगी। आप अपनी विचारधारा को शीघ्र बदल देंगी। इसके लिए धन पर कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा।

यदि आप परिवार में मुखिया बन कर रहीं, चाल-चलन खराब किया, अप्राकृतिक सैक्स किया, कामांध बन कर पाप किया तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से आपकी कामशक्ति कमजोर होगी। (किसी योग्य वैद्य/हकीम से सलाह करके आयुर्वेद दवाई लेना लाभदायक रहेगा)। आपके पति के हाथों धन की बरकत नहीं होगी या पति द्वारा धन हानि या अपव्यय होगा। सरकार द्वारा दंड-जेल यात्रा का भय, चाल-चलन आपका शक्की होगा। आप यदा-कदा मूर्खता भी कर बैठेंगी। आपका संतान पक्ष निर्बल रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. पति को घर का खजांची न बनाएं।
2. नौकरी-व्यापार बार-बार न बदलें।

उपाय :

1. पति से सरसों का तेल दान करायें।
2. विवाह समय कपिला गाय का दान करें।

## शनि

आपकी जन्मकुंडली में सातवें खाने में शनि पड़ा है। जिसकी वजह से आप जादू-मंत्र की सिद्धि प्राप्त करेंगी। आपको बहुत लाभ होगा, कभी-कभी धन का सात गुना लाभ भी हो सकता है। आपके पास बहुत संपत्ति प्राप्त होगी। आप जन्मजात ही शासक प्रवृत्ति की हैं और शासनकर्ता बनेंगी। आप परोपकार करने से धनी होंगी। 36 वर्ष के बाद पिता/ससुर और पति के लिए अच्छा फल प्राप्त होगा। यह आयु आपके धनवान बनने की है। आप ग्राम, समाज में मुखिया, धनी और सम्मानित होंगी। आपकी संतान की आयु के लिए बहुत अच्छा होगा। आप अपनी सेहत पर पूरा ध्यान दें।

यदि आपने डाक्टर-कैमिस्ट का काम किया, हथियार पास रखा, चोर-डाकू का साथ

## शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

रखा, पुरुषों से झगड़ा किया, मकान बेचा तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से पति और पुत्र-पुत्रियों से खुश न रहेंगी, ऐसी आशंका है। आपके लिए शराब आदि का सेवन करना हानिकारक है। आपकी आयु के 36वें वर्ष में पिता पक्ष की एवं धन की हानि की आशंका है। इसका बुरा असर कारोबार पर भी पड़ सकता है। पराये पुरुष के साथ इश्कबाजी, अपनी संतान के लिए अशुभ हो सकती है। यदा-कदा आपमें छल-कपट ईर्ष्या की भावना प्रबल हो जाएगी। पति के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर हो सकता है। 22 वर्ष की आयु से पहले विवाह होगा तो आपकी आंखों की नजर खराब होगी, ऐसी आशंका है। सैक्स संबंधी समस्याएं भी आड़े आ सकती हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. डॉक्टर-कैमिस्ट का काम न करें।
2. चोर-डाकू का साथ न रखें।

उपाय :

1. कपिला गाय की सेवा करें।
2. मिट्टी के बर्तन में शहद भर कर वीराने में रखें।

## राहु

आपकी जन्मकुंडली में राहु दसवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप शील संपन्न, अच्छे स्वभाव की, शूरवीर, साहसी होंगी। आपका हर काम सराहनीय होगा। आपके उच्च विचार होंगे। आपको सबसे यथोचित सम्मान मिलेगा। आप बड़े कारखाने की मालकिन होकर या उच्च पद पर रहकर बहुत बड़ी संपत्ति कमाएंगी। आपके जीवन में राजयोग रहेगा और अच्छा सुख प्राप्त होने की उम्मीद है। आप निश्चित ही बड़ी व्यापारी और धनवान होंगी। फिजूल के खर्चों से सावधान रहें। धन-दौलत का अच्छा असर रहेगा। सिर के बाल जल्दी सफेद हो जाएंगे मगर उनको डाई न करें। आपका चरित्र बहुत ऊंचा होगा।

यदि आपने अपना सिर नंगा रखा अर्थात् सिर पर टोपी/पगड़ी न रखी, मौके के आफिसर से झगड़ा किया, अपने परिवार को तोड़ा तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से माता-पिता/सास-ससुर को कष्ट की आशंका है। शरीर में कोई विकार उत्पन्न होगा। धन-संपत्ति का नुकसान हो सकता है। आपमें कोई न कोई व्यसन विद्यमान हो सकता है, सावधान रहें। आप अपने हाथों संपत्ति को बेच भी सकते हैं। आपकी तंगदिली से दूसरों के साथ बैर पैदा हो सकता है। परिवार के लोगों से अनबन रहेगी। माता/सास के लिए कष्टकारक समय भी आ सकता है। आंखों पर बुरा असर पड़ने की आशंका है। सिर दर्द से आपकी परेशानी बढ़ सकती है। कोई काला आदमी आपकी धन-संपत्ति का नाश कर सकता है। ऊंची जगह से गिरने का भय, सरकारी अधिकारी से झगड़ा करने पर जुर्माने आदि का भय रहेगा तथा बीमारी पर धन का खर्च हो सकता है।

## शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. सिर पर सूर्य की रोशनी न पड़े अर्थात् नंगा सिर न रखें।
2. मौके के अधिकारी से झगड़ा न करें।

उपाय :

1. सिर पर टोपी सफेद-शरबती चुनरी जरूर डालें।
2. जौ अंधेरी जगह में बोझ के नीचे दबायें।
3. मीठा भोजन अंधों को बांटें।

### केतु

आपकी जन्मकुंडली के चाथे खाने में केतु पड़ा है। इसकी वजह से आप पूर्ण आस्तिक होंगी। हर काम धीरज के साथ करेंगी। सभी के साथ आपका व्यवहार सौहार्दपूर्ण रहेगा। आप आशावान, गुरु और पिता/ससुर की सेवा में संलग्न, चरित्रवान और जो मिले उसी में संतोष प्राप्त करने वाली होंगी। आपकी कन्या भाग्यवान और आपके लिए लक्ष्मी स्वरूपा होंगी। कन्या के जन्म के बाद आपका घर धन-धान्य से परिपूर्ण हो जाएगा। आपको पिता/ससुर का लम्बे समय तक सुख मिलेगा। पिता/ससुर और गुरु की भक्ति करने वाली होंगी। आपको जायदाद संबंधी कानूनी समस्या खड़ी हो सकती है। आप स्वयं एवं आपके पुत्र दीर्घायु होंगे।

यदि आपने कुत्ते को मारा या किसी दूसरे से मरवाया, कुत्ता पानी में गिराया, कुल पुरोहित से झगड़ा किया या उससे नाता तोड़ा तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो देर से संतान पैदा होगी या संतान सुख में कमी बताता है। पुत्र संतान की अपेक्षा कन्या संतान अधिक होंगी, ऐसी आशंका है। पुत्र जन्म के बाद माता/ससुर को कष्ट की आशंका है। मधुमेह रोग की आशंका है। रीढ़ की हड्डी, पेशाब की बिमारी होगी ऐसी आशंका है। दुर्घटना या ऊपर से गिरने का भय है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. कुत्ते को चोट न मारें।
2. माता/सास से दूर न रहें।

उपाय :

1. चने की दाल, केसर धर्मस्थान में दें।
2. कुल गुरु या कुल पुरोहित का आशीर्वाद प्राप्त करें।

### शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

## लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

### स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्वऋण से मुक्त है।

### मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक

**शर्मा डा.जगदीश**

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

### निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी मातृऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर वजन में चांदी लेकर उसी दिन दरिया में बहा देवे।

### पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से मुक्त है।

### कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्यमय आदि काम करना।

घटनाएं :

## शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

### पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती है।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी पितृऋण से मुक्त है।

### स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग

## शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात् दूसरा विवाह होना आदि।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से मुक्त है।

### निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

### निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटा-बुआ, भाई का परिवार चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर सौ अलग-अलग स्थानों की मछलियों को खाना खिलाना चाहिए।

### आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ,

### शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालो की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

### ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

## शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

# लाल किताब वर्षफल 2026-2027

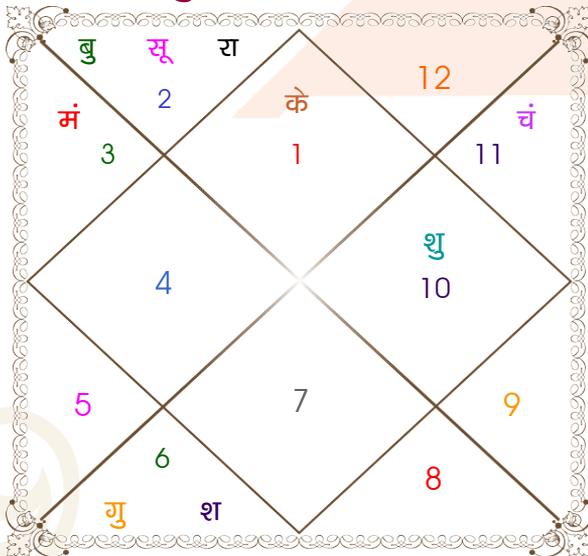
वर्तमान आयु - 28  
वर्तमान दशा - शुक

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	नेक
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	नेक
गुरु	--	हाँ	--	नेक
शुक	--	--	--	मन्दा
शनि	--	हाँ	हाँ	मन्दा
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	हाँ	--	नेक

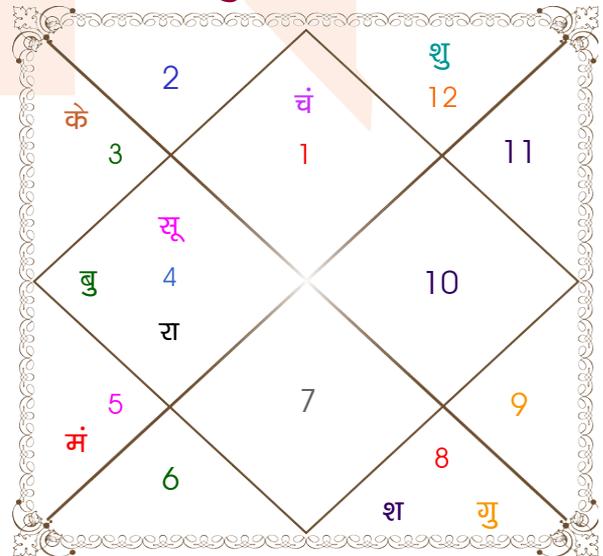
## भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	--	हाँ	हाँ	--	--	हाँ	--	--	--	हाँ

## वर्ष कुंडली 2026 - 2027



## वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 - 2027



शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्काॅलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

## लाल किताब वर्षफल 2026-2027

### सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 2 में है जिसकी वजह से इस वर्ष किसी की अमानत को हड़प करने से आपका आने वाला समय खराब हो सकता है, किसी से दूध, सफेद वस्तु, चांदी आदि मुफ्त या दान न लेवें। चाल-चलन खराब या अनैतिक संबंध रखने से आप की अवनति हो सकती है। धन/जमीन/पुरुष के झगड़े में न पड़ें इससे धन-मान की हानि हो सकती है।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. बादाम या नारियल या सरसों का तेल धर्म स्थान में देवें।
2. पैतृक/ससुराल मकान में हैंड पंप लगावें।

### चंद्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विद्या संबंधी कामों से लाभ होगा, सुख के साधन मिलेंगे, आपको पुरुषों द्वारा सहयोग प्राप्त होगा, माता/सास संतान का सुख मिलेगा। कोर्ट, इंजीनियरिंग, डाक्टरी से संबंधित कामों से लाभ मिलेगा। रात्रि समय विद्या पढ़ने या रात्रि समय विद्या से संबंधित कामों से लाभ होगा।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. विद्या पढ़ने में अरुचि न रखें।
3. कमजोरी के समय चांदी का कुशुता या दूध से बनी चीजों का प्रयोग अधिक करें।

### मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष दूसरों की सहायता कर के प्रसन्नता प्राप्त होगी मगर जरूरी नहीं कि दूसरों की सहायता के बदले में आपको सम्मान मिलेगा, आपको सैर करना या जिम आदि जाने का शौक रहेगा, मुकाबले की विद्या (प्रतियोगी परीक्षा) में आपकी जीत होगी, नर्म स्वभाव रखेंगी तो आपको लाभ मिलेगा। धन-परिवार/संतान का सुख मिलेगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. पेट का विशेष ध्यान रखें।
2. हाथी दांत पास न रखें।

### शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

## बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पिता/ससुर से धन लाभ होगा, आपको ज्ञान की बातों में अधिक रुचि रहेगी, बातें करते-करते बात बदलना आपकी आदत हो सकती है। अपने भाग्य को चमकाने के लिये आपको अधिक मेहनत भी करनी पड़ सकती है। इस वर्ष हाजिर जबावी की कला आप में विद्यमान रहेगी।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. हरा रंग निषेध।
2. धागा-ताबीज, जल, भभूतियों से दूर रहें।
3. तोता, भेड़-बकरी न पालें।

## गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष नकद धन की कमी नहीं होगी। हर चीज बिना मांगे आपको मिल सकती है। कम मेहनत अधिक लाभ। शत्रु अपने आप नष्ट हो जाएंगे या शत्रुओं पर आपकी जीत होगी, बुजुर्गों के नाम पर दान करेंगी या धर्मार्थ चीजें बनवायेंगी। हर समय अपने कामों को निपटाने के लिये ध्यान देना पड़ेगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. कर्ज/दान या गिफ्ट न लेवें या भीख न मांगें।
2. आवारा न घूमें।

## शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से यदि आपने इस वर्ष मांस खाना और बीयर-शराब आदि पीना शुरू किया, मछली का शिकार किया तो आपको बहुत हानि हो सकती है। खराब चाल-चलन हो तो संतान की चिंता रहेगी और पति का स्वास्थ्य खराब रह सकता है। पति से दब कर रहना पड़ सकता है। पेशाब की बीमारी का भय है स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें।

शुक्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. कपिला गाय का दान करें।
2. पति दूध या दही से गुप्तांग धोयें।

## शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

## शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 6 में अशुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष पूर्णिमा के दिन कोई नया काम न शुरू करें। कारण, इस दिन शुरू नये काम से लाभ न होगा। चमड़े का समान मुफ्त/गिफ्ट न लें। नुक्कड़ के मकान में रिहाईश हो तो आपका मान-सम्मान कम होगा या अकारण बेइज्जती का कारण बनेंगे। परिवार में किसी को गुर्दे या पथरी रोग होने का भय रहेगा।

शनि की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. काले कुत्ते की सेवा/पालन करें।
2. नया जूता किसी को पहनाकर पहनें या खरीदने के 6 दिन बाद पहनें।
3. बादाम गंदे नाले में डालें।

## राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 2 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष जुआ-तम्बोला खेला या इससे संबंधित काम करना हानिकारक है। ससुराल और देवर/जेठ का विरोध किया तो हानि होगी, धर्म स्थान में आपके ऊपर चोरी आदि लांछन लग सकता है। फौजदारी मुकदमे में हानि का भय, मुफ्त अन्न का अन्न न खाएँ इससे जीवन नष्ट होगा। चाल-चलन खराब हो तो दंड का भय रहेगा।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. चांदी की ठोस गोली सफेद धागे में पिरो कर गले में पहनें।
2. माथे पर केसर/हल्दी का तिलक करें या शुद्ध सोना पहनें।

## केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष तरक्की का योग है। मगर तबदीली का योग कम ही है। यात्रा के आदेश पत्र के बावजूद यात्रा न होगी या यात्रा बीच में छोड़ कर वापिस आना पड़ेगा। पिता/ससुर-गुरु की सेवा में रुचि रहेगी। परिवार में किसी स्त्री के संतान पैदा होने का योग हो तो उसे पुत्र लाभ हो सकता है।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बकरी न पालें और बकरी की सेवा न करें।
2. गली के आखिर के मकान में रिहाईश न करें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

## शर्मा डा.जगदीश

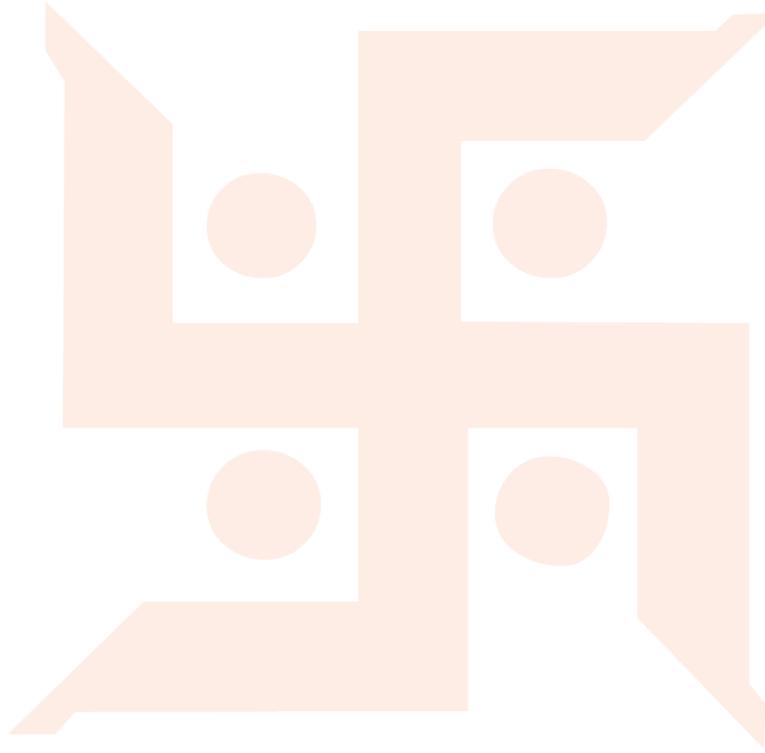
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

• नारियल या तेल या बादाम धर्म स्थान में देवे।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



**शर्मा डा.जगदीश**

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्काॅलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

# लाल किताब वर्षफल 2027-2028

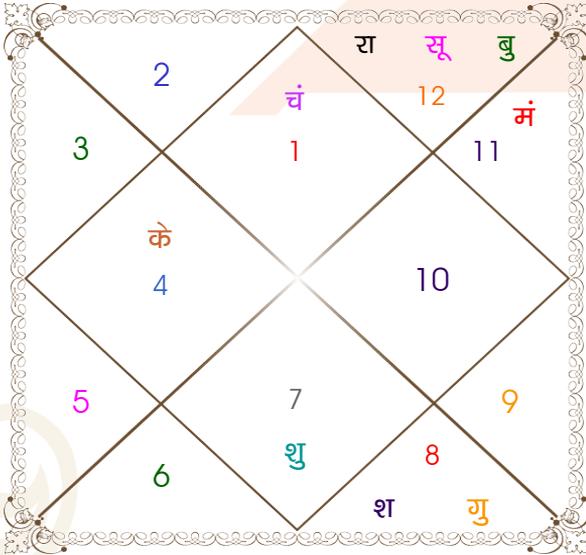
वर्तमान आयु - 29  
वर्तमान दशा - शुक

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	नेक
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	मन्दा
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	--	हाँ	नेक
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	हाँ	हाँ	मन्दा

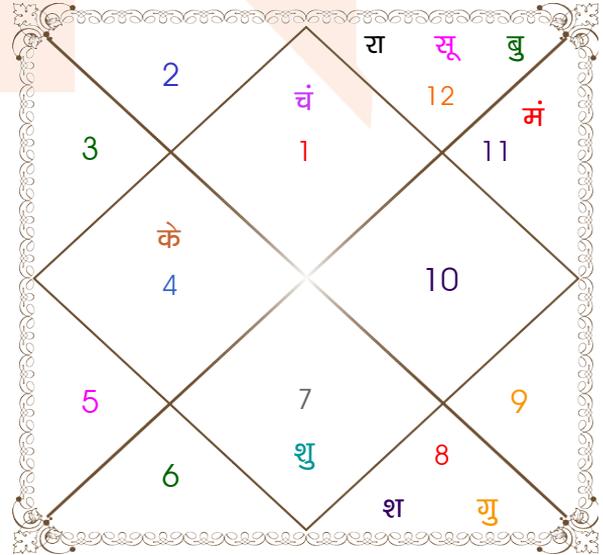
## भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	हाँ	--	हाँ	हाँ	--	--	हाँ	--	--	--

## वर्ष कुंडली 2027 - 2028



## वर्ष चन्द्र कुंडली 2027 - 2028



शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्काॅलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

## लाल किताब वर्षफल 2027-2028

### सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 12 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष आंखों में कष्ट का भय है। नीच या विधुर पुरुष से संबंध आपको हानि होगी, बिजली का सामान मुफ्त या गिफ्ट न लेवें। किसी की अमानत में ख्यानत न करें आप भी ख्याल रखें कि आपकी अमानत में ख्यानत न हो। मकानों से संबंधित और मैकेनिकल काम में हानि हो सकती है।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. जल में चीनी डाल कर सूर्य को अर्ध्य दें।
2. भूरी चीटियों को सूर्यास्त के समय त्रिचौली (शक्कर-तिल-चावल का टुकड़ा) डालें।

### चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सुंदर और सफेद कपड़े पहनने की शौकीन रहेंगी, विद्या से लाभ, किसी की अमानत आपके पास रह सकती है माता-पिता/ससुर की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, कभी यात्रा पर जायें तो यात्रा से वापस आकर माता/सास के चरण स्पर्श करके आशीर्वाद लेने से लाभ होगा। परिवार में बहुत देर बाद किसी के पुत्र संतान होगी।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक और अनैतिक संबंध न रखें।
2. माता/सास या इनके समान स्त्री से झगड़ा न करें।

### मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका स्वभाव न्यायप्रिय रहेगा, अपनी किस्मत स्वयं अपने हाथों से बनाएंगी, कारोबार में तरक्की होगी, जमीन-जायदाद का लाभ मिलेगा और इस वर्ष आपको सभी सुख-सुविधाएं मिलेंगी। पुत्र-पौत्र/दोहता-दोहती का सुख मिलेगा, आपको शत्रुओं से कोई भय नहीं रहेगा या शत्रु भी मित्र बन जायेंगे।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. किसी पर भी भरोसा न करें।
2. कुत्ते को चोट न मारें।

### शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

## बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 12 में है जिसकी वजह से इस वर्ष मादक द्रव्यों या चीजों का प्रयोग आपको बदनजुबान बना सकता है, आपकी वाणी कर्कश या गाली-गलोज करना आपके लिये हानिकारक है। ख्याली कारोबार (सोच-विचार कर करने वाले काम) या तंबोला/जुआं, लाटरी, शेयर आदि के काम आपके लिये अनुकूल नहीं है। भ्रम या अज्ञानता के कारण आपका नुकसान हो सकता है।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. स्टील की बेजोड़ अंगूठी बांये हाथ की कनिष्ठिका या मध्यमा अंगुली में पहनें।
2. खाली घड़ा ढक्कन लगा कर जल प्रवाह करें।

## गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 8 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपको अगर कोई शारीरिक कष्ट होता है तो अपने आप टल जायेगा, पिता/ससुर का सुख मिलेगा, भाई-बंधु आपके धन का उपभोग करेंगे। धन, आयु की वृद्धि होगी। गुप्त विद्याओं में रुचि रहेगी। आपके कामों में कोई रुकावट नहीं आएगी। यदि आप साध्वी भी बन जायेगी तो दुःखी न रहेंगे।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. पीले वस्त्र पहनने वाले साधू से दूर रहें।
2. घर में तुलसी, घंटी, ठाकुर न रखें।

## शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष मकान-वाहन का सुख मिलेगा। काले रंग के पुरुष का साथ आपका भाग्य को जगाने और आपकी तरक्की में सहायक सिद्ध हो सकता है। विवाह से संबंधित चीजों के कारोबार से लाभ मिले। पिता/ससुर से दूर जाना पड़ सकता है। आपके पति और आपकी माता में मां-पुत्र जैसा संबंध रहेगा। पति धैर्यवान और सेवा करने वाले होंगे।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सफेद गाय की पालना या सेवा न करें।
2. बिल्ली की जेर चमड़े के पर्स में न रखें।

## शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्काॅलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

## शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 8 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका मनमौजी स्वभाव रहेगा। एक जगह बैठ कर करने वाले कामों से लाभ होगा। भाग-दौड़ के काम न करें। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। पुत्र संतान की खुशी मिले, स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। आपके नाम पर मकान नहीं बना तो आपकी आयु लंबी होगी।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. अपने नाम पर मकान न खरीदें।
2. सांप न मारें।
3. मकान के मुख्य द्वार की दहलीज की पूजा करें।

## राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 12 में है जिसकी वजह से आप इस वर्ष बिना सोचे-समझे या शेख चिल्ली की तरह कार्य करेंगी तो आपको हानि होगी, दीवानी या फौजदारी मुकदमों में न उलझें। रात्रि समय नींद का सुख कम मिलेगा। बिना सोचे-समझे कोई कार्य न करें। परिवार का अतिरिक्त बोझ आप पर हो सकता है। धन का व्यय परिवार की बेहतरी या शुभ कामों पर होगा।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. घर के आखिर में अंधेरी कोठरी बनावें।
2. शुद्ध चांदी का ठोस हाथी (चांदी की प्लेट पर खड़ा करके) घर में रखें।
3. शुद्ध चांदी का चौरस टुकड़ा में सूराख करके सफेद धागे में पिरो कर गले में पहनें।

## केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 4 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष रीड की हड्डी या जोड़ों का दर्द, शुगर/पेशाब का रोग हो सकता है। माता/सास की चिंता हो सकती है या मात को कष्ट हो सकता है। हृदय रोग के प्रति आलस्य न बरतें। पुत्र संतान के सुख की चिंता रहेगी। कुल पुरोहित से संबंध ठीक रखें तो पुत्र की चिंता दूर होगी, कुत्ते के काटने का भय रहेगा। यात्रा में रूकावट आयेगी या यात्रा में हानि हो सकती है।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. चने की दाल और केसर धर्म स्थान में दें।
2. कुल पुरोहित को धन वस्त्र आदि देकर आशीर्वाद प्राप्त करें। अगर कुल पुरोहित न हो तो 4 किलो चने की दाल महीने दो महीने में धर्म स्थान में दें।

## शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- भूरी चींटियों को 430ग्राम त्रिचौली (टुकड़ा चावल, शक्कर, तिल) डाले।  
(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



**शर्मा डा.जगदीश**

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्काॅलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com